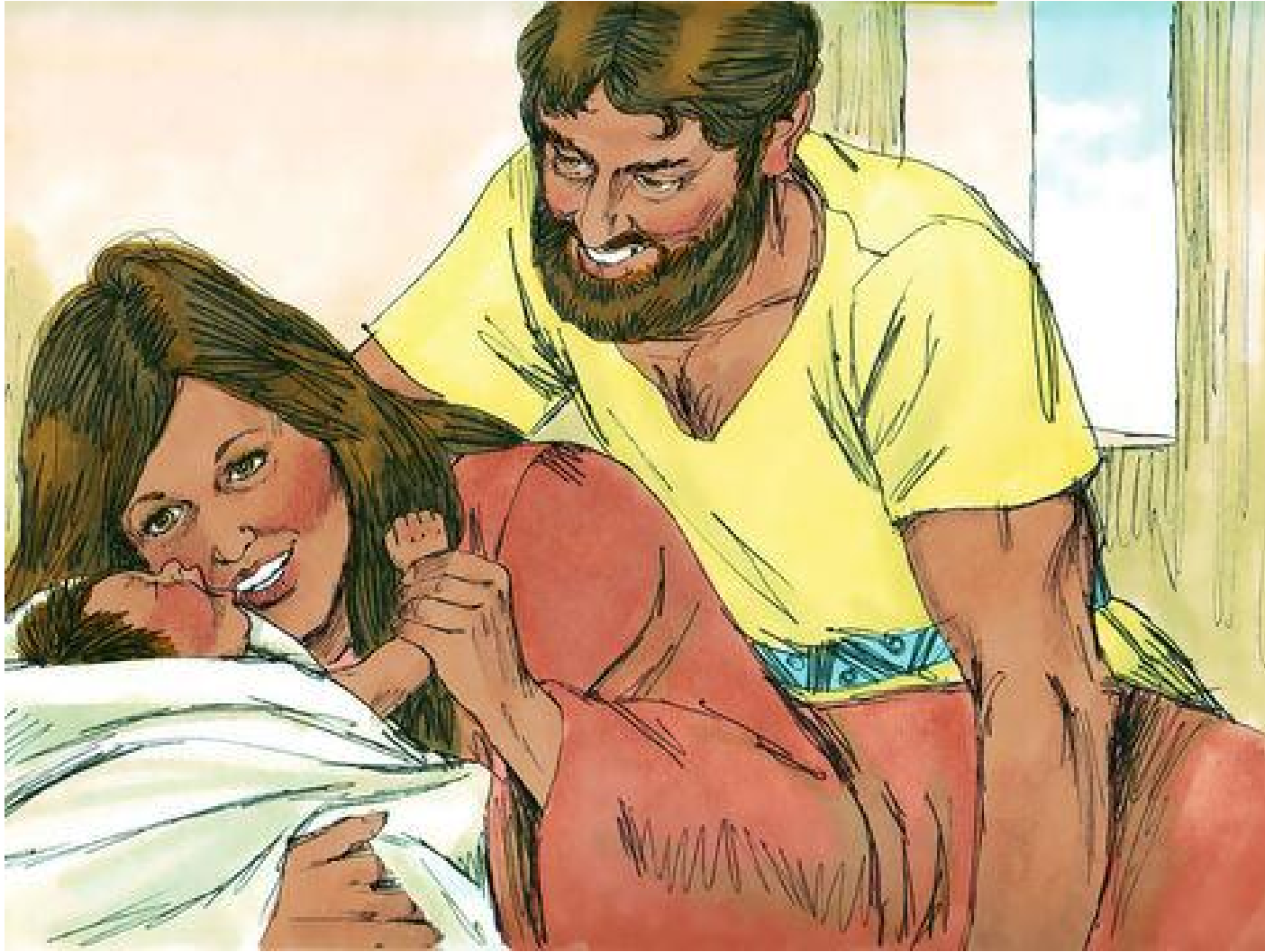


शिमशोन रौ जनम



Bangani

शिमशोन रौ जनम

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



[Needs Copyright](#)



<http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work.

You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Big Book in Bangani language

Orange Level Book

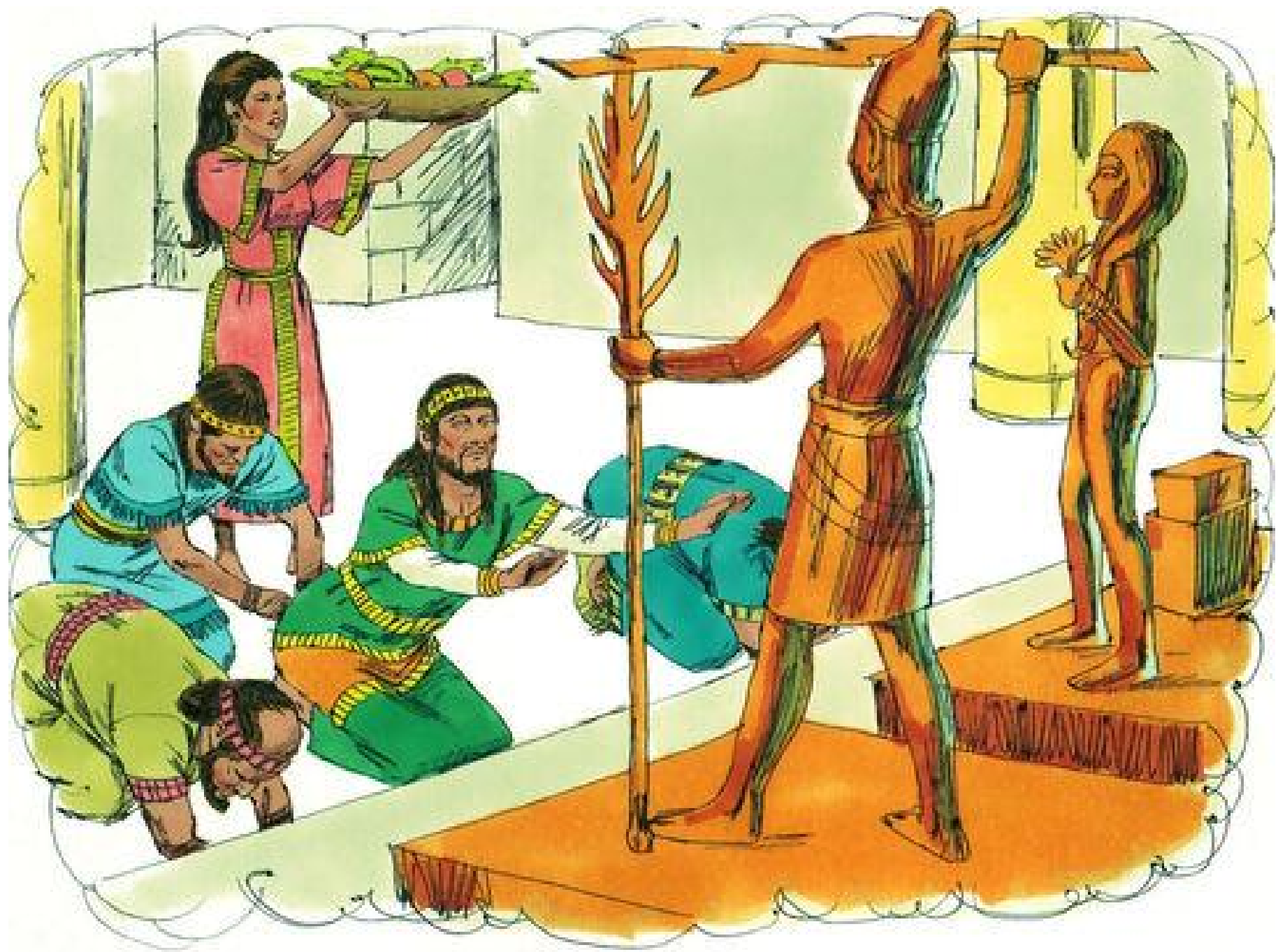
परकाशण:-

NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है जिसमें शिमशोन के जन्म के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



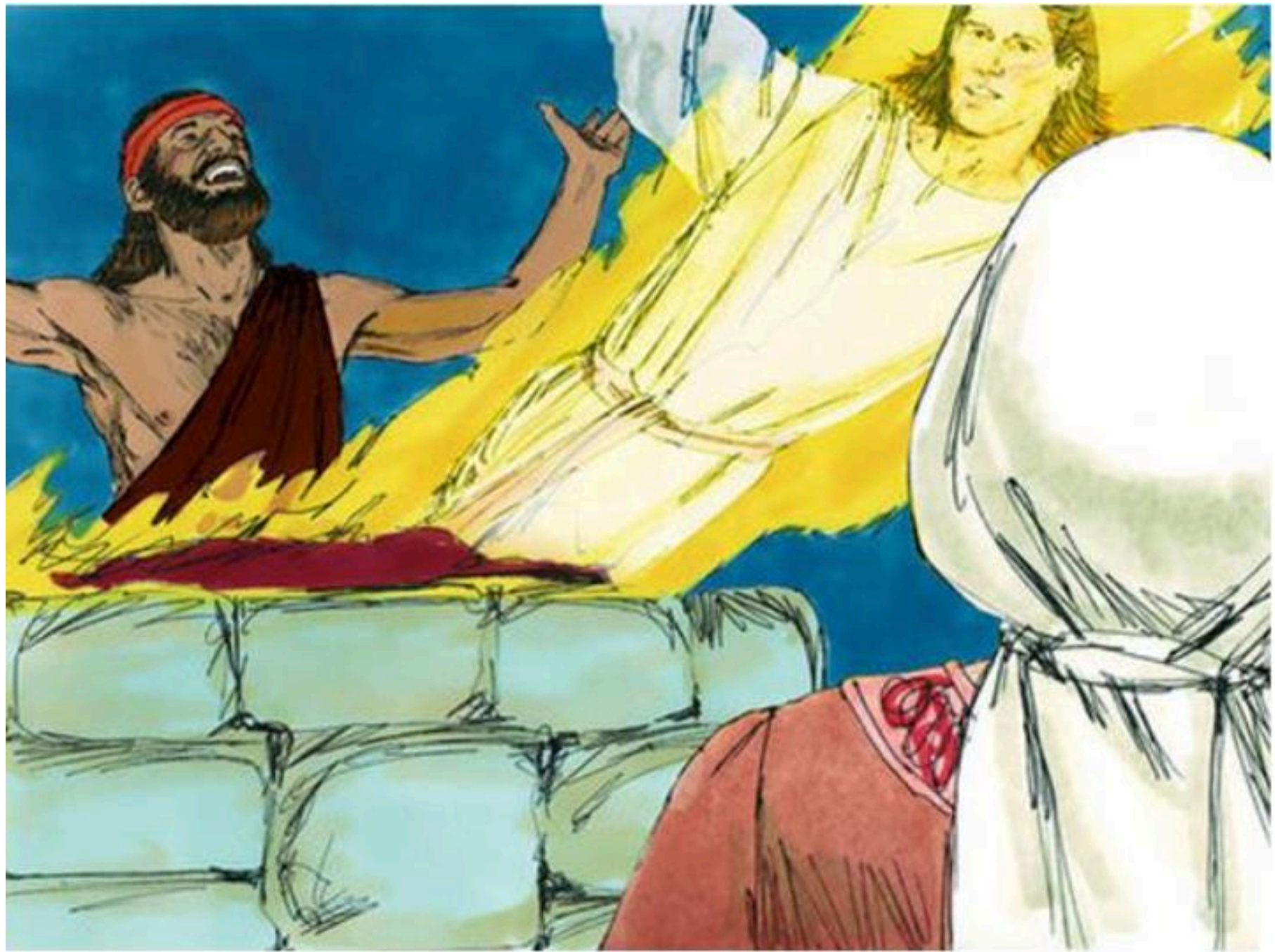
गिदोन रै मौरणै बासियै इस्राइली लोगु दुजाळियै
पाप कियौ, औज़ि परमेश्वरेइ सै पलिशितुँ रै बश
दि कियै, सेजै बौक्ते दि इस्राइल देश दि मानोह
नौऊँ रौ एक माणूछ रौयै थौ, तेसरै कोइ बि पेटारै
ना नौथि थै।



एक दूस परमेश्वर रै दूतेइ मानोह र छेउड़ि आरी
बोलौ, तु गौरकेड़ी औयैली तेरौ एक बेटा औयै
लौ, तेसरै मुँडै रौ एक बि बाळ ना काटै केलाकि
सेउ जनम कौइ परमेश्वर रौ छाटौन्दौ औयै लौ,
औजि सेउ इस्राइलिउं पलिशितुं रै बश कौइ
छुड़ाए लौ।



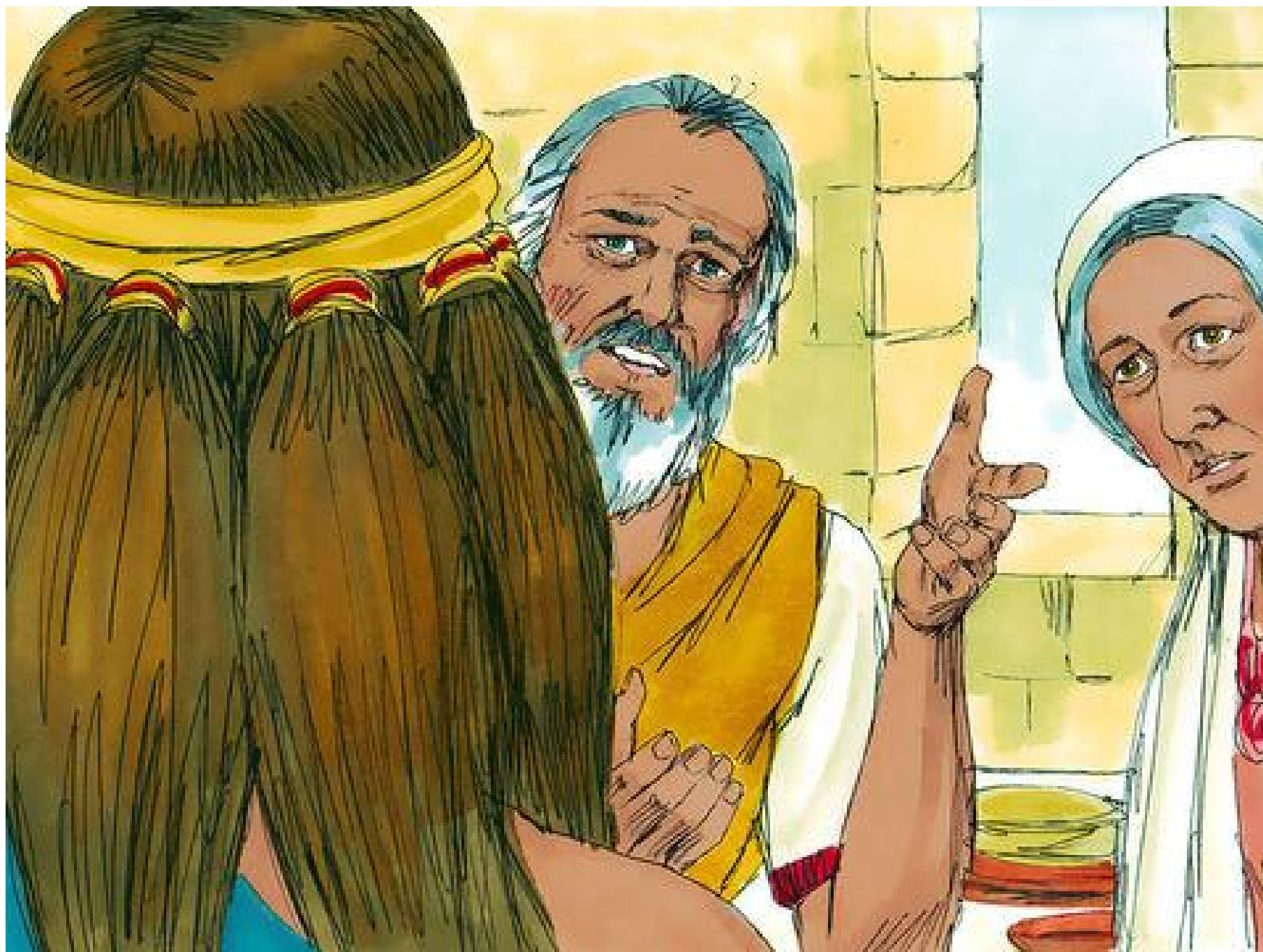
तैबै मानोह रि छेउड़िएइ सै बुशै आपड़ै पति आरि
बोली, तैबै मानोहेइ परमेश्वर कौइ प्राथना कौरी।
“ए परमेश्वर जुणजौ माणूछ ताइं आमकाइ छाड़ौ
थौ, तेस औजि पै आमकाइ छाड़, औजि जुणजाँ
बेटा औयै लौ, तेसकौइ आमै का कौरी, तेसरै
बारे दि आमकौइ शिकायै लौ।”



परमेश्वरेइ मानोह रि प्राथना शुणी, तैबै सेउ दूत
आइयौ मानोह औज़ि तेसरी छेउड़ि आरि बोलौ,
तेरी छेउड़ औंगुर कौइ बौणियौन्दि चीज़ नाते
खायै ली औज़ि ना पियै ली। तैबै मानोहेइ
परमेश्वर खि बेदी चाणियौ तेसमाइं बेट चौड़ाइ।
औज़ि सेउ दूत तीं बेदी माइं खौड़ौ उवौ औज़ि
सेउ बेदी रि लुपिऊं रै साथै उबै डैऔ।



जौ मानोह रि छेउड़ि रै औळखिणै रै दूस पूरै ऊवै,
तै तिरौ एक बेटा उवौ, औज़ि तिउं तेसरौ नौऊं
शिमशोन थौ। औज़ि सेउ बौड़ौ औन्दु रौ, औज़ि
परमेश्वर तेसकै आशिश देन्दु रौ। तैबै परमेश्वर
रि आत्माइ सेउ उक्साओ, एक दूस शिमशोन
तिम्ना शैर खि डैओ तेत्कै तिणी एक पलिशितन
लौड़की देखी।



तैबै तिणी आपड़ी आमा – पापा आरि बोलौ,
जुण्जी लौड़की मुइं तिम्ना शैर दि देखी तीं कौइ
मेरी शादी कौराऔ। तेसरै आमा – पापा ना
जाणैण थै, कि ऐ बुशै परमेश्वर रि ओर कौइ, सेजै
बौक्ते दि पलिशित इस्राइलिउं माइं राज़ कौरैण थै।



तैबै शिमशोन आपड़ै आमा - पापा रै साथै तिम्ना
शैर खि डैऔ। औज़ि बाटे दि तेसरै सामणै एक
जुवान बाग नूरुन्दै लागौ, तैबै परमेश्वर रौ आत्मा
तेस दि बल रै साथै आऔ, सेजै बौक्ते दि
शिमशोन रै आथे दि कुछ बि ना नौथि थौ, तिणी
सेउ बाग एशौ जांगौ जेशौ बाकरी रौ च़ेळटू।



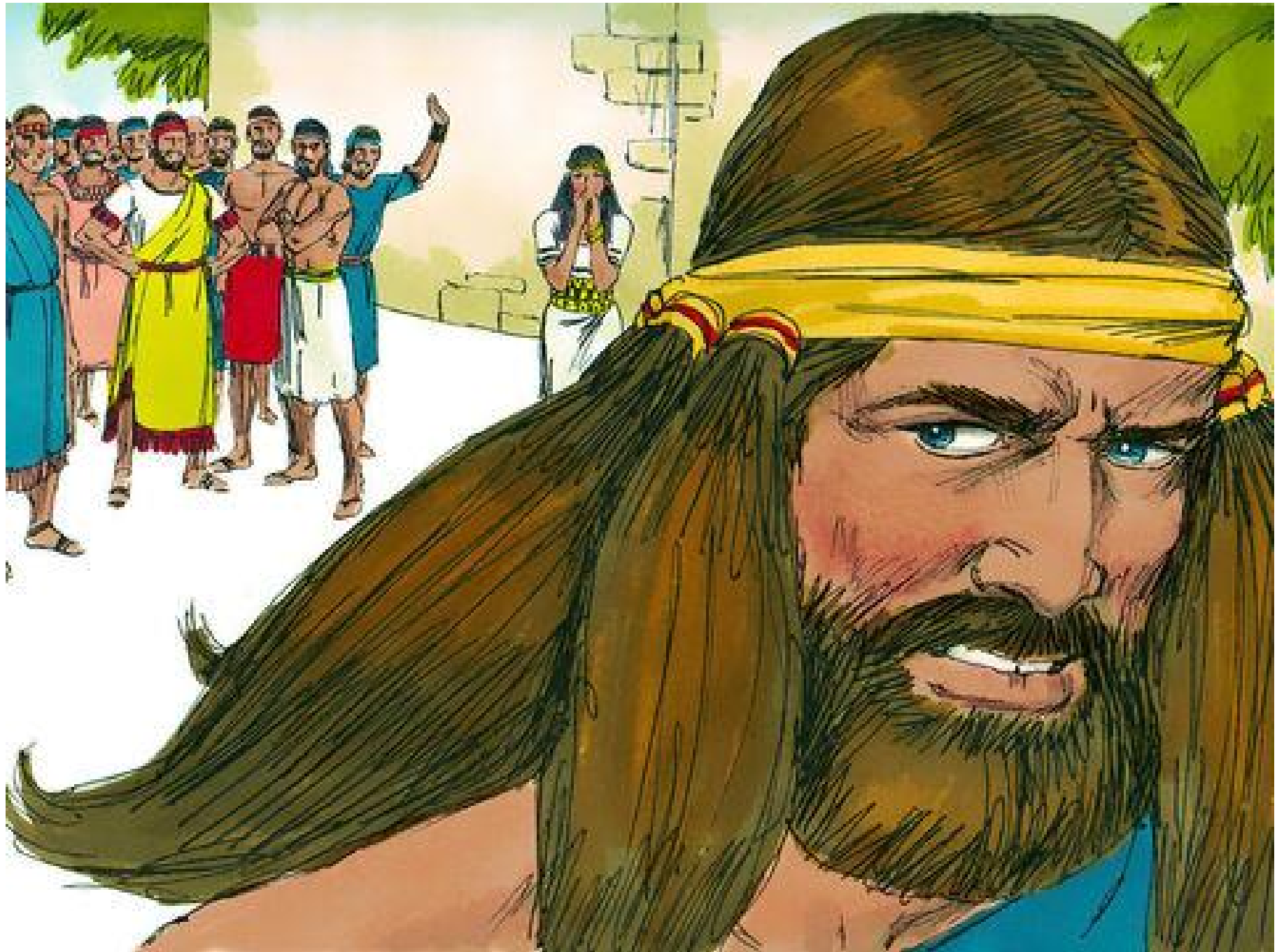
पर तिणी आपड़ी एज़ि बूशै आपडै आमा – पापा
आरि ना बोली, तैबै सेउ तेत्कै डेइयौ तीं लौड़की
रै साथै बूशै लान्दै लागौ। सै शिमशोन कै बौड़िया
लागी, कुछ दूस बासियै सेउ तीं लौड़किण्ड
आपडै गौरै आण्डै डैऔ। बाटे दि सेउ तेस बाग
रौ छोड़ियारौ देखणे खि फिरौ, तिणी तेस
छोड़ियारै पारै माखी रौ मौ देखौ, औज़ि सेउ
आथै कौड़ खाऔ।



कुछ दूस बासियै शिमशोन आपड़े पापा रै साथै
तीं लौड़की कौइ शादी कौरदै डैऔ, तैबै तिणी
तेत्कै एक पहेली पूछी कि खाणै वाळै माइं कौइ
खाणौ औज़ि ताकत्वर माइं कौइ मीठी चीज
आइ। शिमशोनेइ तिउंवारी बोलौ, कि जुण्जौ ईं
पहेली रौ मतलब बोलै लौ। आउं तेसकै तीश
कुर्तै औज़ि तीश ज़ोड़ी जूड़कै देउ।



पर सै तीं पहेली रौ मतलब ना बोली सौकै। तैबै
तिउं शिमशोन रि छेउड़ि आरि बोलौ, कि तु
आपड़ौ पतिएइ बैकाइयौ तीं पहेली रौ मतलब
पूछ तै आमुवारी बोल नाइतै आमै ताउं औज़ि तेरै
पापा रै गौरै रै साथै ज़ौळाइ देइ। तैबै तेसरी
छेउड़िएइ शिमशोन कौइ पहेली रौ मतलब पूछौ
औज़ि तियै तिउंवारि बोली देणौ, तैबै शिमशोन
पोरु आरौ।



तैबै परमेश्वर रि आत्मा तेस दि बल रै साथै आइ,
औज़ि तिणी तीश लोग जांगियौ तिउँरै जुड़कै
नियै, औज़ि पहेली रौ मतलब बोलणै वाळौउं कै
देणै, तैबै तेस बौरी रोश लागौ, तैबै सेउ आपड़ै
गौरै डैऔ। तैबै शिमशोन रौ ससुरेइ तेसरी छेउड़ि
रि शादी कासी दूजै माणछै रै साथै की।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.